RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 28 JUNE TO 04 JULY 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 41 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

गुजरात में अमेरिकी कंपनी माइक्रोन लगाएगी चिप प्लांट, सरकार ने दी मंजूरी
Page 2

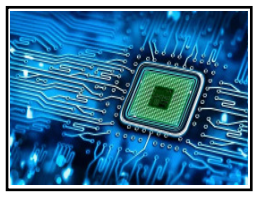

1.45 लाख किमी का रोड नेटवर्क चीन से आगे निकला भारत
Page 3

क्या Bank Locker में रख सकते हैं कैश जान लीजिए RBI के नियम
Page 4

editoria!

महंगाई पर लगाम

पिछले महीने भारत में एक लंबे समय के बाद महंगाई की दर घटने की खबर आयी साल पहले यह 7.04 प्रतिशत थी. यानी एक साल में मुद्रास्फीति 2.79 प्रतिशत घटी. मुद्रास्फीति चीजों की कीमतों के बढ़ने या घटने की रफ्तार को कहा जाता है. किसी वस्तु की कीमत एक साल पहले क्या थी और वर्तमान में उसकी कीमत क्या है, इसके अंतर से मुद्रास्फीति का पता चलता है. ऐसी ही कई वस्तुओं के एक समूह को मिलाकर खुदरा महंगाई की दर निकाली जाती है जो पिछले महीने 4.25 प्रतिशत पर आ गयी. अब भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि बैंक का पूरा प्रयास है कि इस दर को चार प्रतिशत तक रखा जाए. दरअसल, किसी भी देश में महंगाई को काबू करने में उस देश के केंद्रीय बैंक की बड़ी भूमिका होती है. ये बैंक दरों या ब्याज दरों को ऊपर-नीचे कर महंगाई को काबू में रखते हैं. यदि इसमें वृद्धि होती है तो कर्ज लेना महंगा हो जाता है. इससे लोगों की जेब में कम पैसे होते हैं और वे कम पैसे खर्च करते हैं. इससे मांग घटती है और दाम नीचे आ जाते हैं. इसके उलट, जेब में पैसे ज्यादा होने पर चीजें भी महंगी होने लगती हैं. दुनिया के बड़े-बड़े देश अभी महंगाई को काबू करने को लेकर जूझ रहे हैं. अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के केंद्रीय बैंकों ने हाल के समय में कई बार बैंक दरों को बढ़ाया है. अमेरिका में वर्ष 2022 के जून में खुदरा महंगाई की दर बढ़कर 9.1 प्रतिशत पर पहुंच गयी थी जो पिछले 40 सालों में सर्वाधिक थी. इसके बाद से अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने कई बार बैंक दर बढ़ाये, जिससे पिछले एक साल में महंगाई घटी और मई में घटकर चार प्रतिशत पर आ गयी. भारत में भी इसी लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश की जा रही है. रिजर्व बैंक ने पिछले साल से अब तक बैंक दर में कुल मिलाकर 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है. और, पिछले एक साल में भारत में भी महंगाई की दर कम हुई है. कच्चे तेल की कीमतों के कम होने और देश में खाद्यान्नों के भंडार की वजह से भी महंगाई नियंत्रित रही. हालांकि, आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि अल नीनो जैसे मौसमी बदलावों को लेकर थोड़ी चिंता की स्थिति बनी हुई है. भारत जैसे कृषि प्रधान देश में महंगाई को नियंत्रित रखने में खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता बहुत आवश्यक है. महंगाई और जरूरी सामानों की किल्लत कैसे अराजकता में बदल जाती है, इसका उदाहरण पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे भारत के पड़ोसी मुल्कों में देखा जा चुका है.

RBI ने जताया 6.5% GDP वृद्धि दर रहने का अनुमान

मुंबई। एजेंसी

हाल ही में भारतीय नागरिकों के लिए एक अच्छी खबर सामने आ रही है। इस खबर के अनुसार RBI ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है जो कि बहुत ही फायदेमंद साबित होगा। RBI के वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में बताया है कि सभी पहलुओं पर गौर करने के बाद आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान है। बाकायदा अमेरिकी रिजर्व फेडरल द्वारा पॉलिसी रेट में वृद्धि की जाती है तो रुपए के एक्सचेंज रेट पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। इसके अलावा सर्विस एक्सपोर्ट सुधारने से करंट अकाउंट में होने वाला नुकसान भी सीमा में रहेगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के द्वारा भारत में GDP ग्रोथ का अनुमान 5.9% अप्रैल के महीने में बताया गया था, लेकिन हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा नीति इसी महीने हुई है।

इसके अनुसार RBI ने भारत में GDP की दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के लगाया अनुमान से कहीं ज्यादा अधिक है। इन दोनों के अलावा हाल ही में रेटिंग एजेंसी फिच एजेंसी ने भी भारत में GDP ग्रोथ 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान दर्ज किया है।

GDP ग्रोथ अच्छी खबर

RBI गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया है कि हमें किसी भी चीज को लेकर हमेशा दो पहलु होते है पॉजिटिव और नेगेटिव। लेकिन हमने हमेशा ही GDP ग्रोथ को लेकर संतुलित रास्ता अपनाया है। इसी के आधार पर हमारा अनुमान है कि चालू वित्तीय वर्ष में GDP ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में GDP ग्रोथ 7.2% रही थी। इसके साथ ही अगर कोरोना के समय से देखा जाये तो रुपये और डॉलर विनिमय की दर समान रही है। इस साल देखे तो जनवरी के महीने से अब तक रुपये में उतार चढ़ाव आया है और रुपये की स्थिति मजबूत ही हुई है।

शेयर बाजार ने रचा इतिहास

पहली बार सेंसेक्स 64000 और निफ्टी 19000 के पार

मुंबई। एजेंसी

शेयर बाजार में बुधवार को रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग और क्लोजिंग रही। सेंसेक्स रिकॉर्ड 63,915 के स्तर पर बंद हुआ वहीं, इसकी शुरुआत भी रिकॉर्ड 63701 के स्तर से हुई। निफ्टी रिकॉर्ड 18972 पर बंद हुआ

शेयर बाजार में रिकॉर्डतोड़ ओपनिंग और क्लोजिंग रही। सेंसेक्स जहां, रिकॉर्ड 63, 915.42 के स्तर पर बंद हुआ वहीं, इसकी शुरुआत भी रिकॉर्ड 63701 के स्तर से हुई। दूसरी ओर निफ्टी ने भी सेंसेक्स के नक्शेकदम कदम पर रिकॉर्ड 18908.15 से शुरुआत की और रिकॉर्ड 18972.10 के स्तर पर बंद हुआ सेंसेक्स में आज 499.39 और निफ्टी में 154.70 अंकों की बढ़त रही। मीडिया को छोड़ सभी सेक्टोरल इंडेक्स में शानदार तेजी देखी गई। सबसे अधिक उछाल मेटल, फार्मा और हेल्थ केयर इंडेक्स में रही ।

निफ्टी टॉप गेनर में अडानी एंटरप्राइजेज 5.63 फीसद ऊपर 2413 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा अडानी पोर्ट्स में 4 फीसद से अधिक की तेजी रही। इस लिस्ट में जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज ऑटो और सन फार्मा जैसे स्टॉक रहे। टॉप लूजर में एचडीएफसी लाइफ, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अपोलो हॉस्पिटल और हीरो मोटोकार्प रहे।

बता दें साल 2023 मे अब तक शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली है। 2 जनवरी को सेंसेक्स 61,167 के स्तर पर था, जो अब (28 जून) 64,050.44 अंक पर पहुंच गया है। इस साल इसमें अब तक 4.46ज्ञ से ज्यादा यानी 2,727 अंकों की तेजी देखने को मिली है। एक्सपर्ट्स के अनुसार आगे भी ये तेजी जारी रह सकती है। 1986 से अब तक सेंसेक्स 11293 फीसद से अधिक उछल चुका है। 3 जनवरी 1986 को सेंसेक्स 561.01 के स्तर पर था।

सरकार ने तीन महीने के लिए टाला फैसला

विदेश में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल पर फिलहाल नहीं लगेगा कोई टैक्स

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड के जरिए विदेशों में खर्च उदारीकृत धन प्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत नहीं आएगा और इसीलिए इस पर स्रोत पर कर कटौती नहीं होगी। साथ ही, एलआरएस के तहत यात्रा खर्च समेत भारत से विदेशों में धन भेजने पर 20 प्रतिशत की ऊंची दर से स्रोत पर कर कटौती (टीसीएस) के क्रियान्वयन को तीन महीने के लिये टालने का निर्णय किया गया है। यह अब एक अक्टूबर से प्रभाव में आएगा। हालांकि एक अक्टूबर से विदेशों में क्रेडिट कार्ड खर्च पर टीसीएस नहीं लगेगा।

उच्च दर से टीसएस तभी लागू होगा, जब उदारीकृत धन प्रेषण योजना के अंतर्गत भुगतान सात लाख रुपये की सीमा से ऊपर हो। सरकार ने वित्त विधेयक 2023 में उदारीकृत धन प्रेषण योजना के तहत शिक्षा और चिकित्सा को छोड़कर भारत से किसी अन्य देश को पैसा भेजने के साथ विदेश यात्रा पैकेज खरीदने पर टीसीएस पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया था। साथ ही एलआरएस के अंतर्गत टीसीएस लगाने के लिए सात लाख रुपये की सीमा हटा दी गई। ये संशोधन एक जुलाई, 2023 से लागू होने थे। वित्त मंत्रालय ने कहा, ''विभिन्न पक्षों से मिली टिप्पणियों और सुझावों के बाद इसमें उपयुक्त बदलाव का निर्णय किया गया है। सबसे पहले, यह निर्णय लिया गया है कि एलआरएस के तहत सभी उद्देश्यों और विदेश यात्रा टूर पैकेज के लिये प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष सात लाख रुपये तक की राशि के लिए टीसीएस की दर में कोई बदलाव नहीं होगा। भले ही भुगतान किसी भी तरीके से क्यों न किया गया हो।'' मंत्रालय ने कहा, ''संशोधित टीसीएस दरों के क्रियान्वयन और एलआरएस में क्रेडिट कार्ड भुगतान को शामिल करने के लिये अधिक समय देने का भी निर्णय किया गया है।'' वित्त मंत्रालय ने कहा कि विदेश यात्रा पैकेज खरीदने को लेकर सात लाख रुपये प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष खर्च पर टीसीएस पांच प्रतिशत की दर से लगेगा। 20 प्रतिशत की दर तभी लागू होगी जब खर्च इस सीमा से अधिक होगा।''

गुजरात में अमेरिकी कंपनी माइक्रोन लगाएगी चिप प्लांट, सरकार ने दी मंजूरी

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने अमेरिका की चिप कंपनी माइक्रोन की देश में 2.7 अरब डॉलर के निवेश के साथ सेमीकंडक्टर परीक्षण और पैकेजिंग इकाई स्थापित करने की परियोजना को मंजूरी दे दी है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस परियोजना से 5,000 नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है। एक सूत्र ने परियोजना के ब्योरे की पुष्टि करते हुए कहा, ''इसे लगभग एक सप्ताह पहले मंजूरी दी गई। माइक्रोन कंप्यूटर मेमोरी उत्पाद, फ्लैश ड्राइव आदि में विशेषज्ञता रखती है। यह भारत में एक ओएसएटी (आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट) संयंत्र स्थापित करेगी जो इसके उत्पाद को उपयोग के लिए तैयार करने के लिए परीक्षण और पैकेजिंग करेगा। पहले चरण में सरकार ने चार ओएसएटी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें टाटा समूह, सहस्रा सेमीकंडक्टर के प्रस्ताव शामिल है। एक अन्य सूत्र ने कहा, ''सहस्रा सेमीकंडक्टर पहला ओएसएटी संयंत्र है, जिसके जल्द ही उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है।'' इस बारे में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा माइक्रोन से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है।

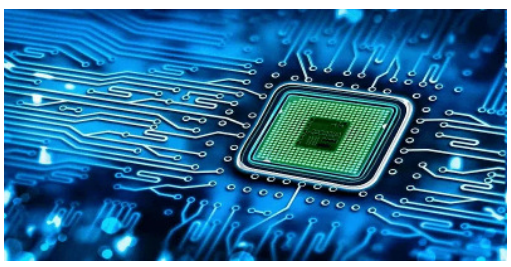

देश में बीते वित्त वर्ष में 2.7 करोड़ वाहनों का हुआ उत्पादन: रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

घरेलू वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2022-23 में विभिन्न वाहन खंडों एवं किस्मों के तहत 108 अरब डॉलर (करीब 8.7 लाख करोड़ रुपए) मूल्य के कुल 2.7 करोड़ वाहनों का उत्पादन किया। इसमें मूल्य के हिसाब से यात्री वाहनों की हिस्सेदारी 57 प्रतिशत रही। प्रबंधन सलाहकार फर्म प्राइमस पार्टनर्स ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि पिछले वित्त वर्ष में कुल वाहनों में वाणिज्यिक वाहन खंड की हिस्सेदारी 10 लाख वाहनों की रही जिनका मूल्य करीब 1.7 लाख करोड़ रुपए रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष में देश में कुल दो करोड़ दोपहिया वाहनों का उत्पादन हुआ जो कुल वाहनों का करीब 77 प्रतिशत है। वहीं मूल्य के हिसाब से 1.8 लाख करोड़ रुपये वाले दोपहिया खंड की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत रही है। इस अवधि में देश के वाहन उद्योग में करीब 1.9 करोड़ लोगों को रोजगार मिला था। रिपोर्ट कहती है कि यात्री वाहन खंड में मध्यम आकार और पूर्ण आकार वाले एसयूवी उप-खंडों की हिस्सेदारी मूल्य के लिहाज से आधे से भी अधिक रही।

कॉम्पैक्ट एसयूवी उप-खंड ने भी कुल वाहनों के मूल्य में 25 प्रतिशत योगदान दिया। वहीं लक्जरी खंड के वाहनों ने मूल्य में 63,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय बाजार में अब सस्ती 'मिनी' कारों और सेडान कारों को अधिक पसंद नहीं किया जा रहा है जिसकी वजह से इनकी हिस्सेदारी घटी है। जहां तक बैटरी-चालित वाहनों का सवाल है तो इसका बड़ा हिस्सा दोपहिया और तिपहिया खंड में ही देखने को मिला है। रिपोर्ट कहती है कि भारतीय ईवी उद्योग चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे अग्रणी बाजारों से पीछे चल रहा है लेकिन इस खंड में भारी निवेश होने से भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत नजर आते हैं।

तीन हफ्ते में 400% उछली टमाटर की कीमत

122 रुपये किलो पहुंचा भाव

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार ने टमाटर की कीमतों में आए तेज उछाल को अस्थायी और मौसमी कारण बताते हुए मंगलवार को कहा कि इसके दाम जल्द ही नीचे आ जाएंगे। मौजूदा समय में देश के कई शहरों में 100 रुपये और उससे भी अधिक दाम पर टमाटर बिकने की खबरें आ रही हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि टमाटर की कीमतों में तेजी एक अस्थायी समस्या है। हर साल इस समय ऐसा होता है। दरअसल टमाटर बहुत जल्द खराब होने वाला खाद्य उत्पाद है और अचानक बारिश होने से इसकी ढुलाई पर असर पड़ता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 27 जून को अखिल भारतीय स्तर पर टमाटर की औसत कीमत 46 रुपये प्रति किलो रही। हालांकि इसकी अधिकतम कीमत 122 रुपये प्रति किलो भी दर्ज की गई है।

देश के चार मेट्रो शहरों की बात करें तो दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमत 60 रुपये प्रति किलो, मुंबई में 42 रुपये प्रति किलो, कोलकाता में 75 रुपये प्रति किलो और चेन्नई में 67 रुपये प्रति किलो रही। हालांकि सरकारी आंकड़ों का कहना है कि उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और कर्नाटक के बेल्लारी में टमाटर का भाव 122 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में दूध एवं फल-सब्जियों की बिक्री करने वाली मदर डेयरी के स्टोर पर भी टमाटर का भाव एक हफ्ते में ही दोगुना होकर करीब 80 रुपये प्रति किलो हो चुका है। मदर डेयरी के प्रवक्ता के अनुसार मॉनसून आने से टमाटर की फसल इस समय मौसमी बदलावों से गुजर रही है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश होने से टमाटर की फसल प्रभावित हुई है और इसकी आपूर्ति भी मांग की तुलना में कम हो गई है।

तीन हफ्ते में 400% उछाल

होलसेल और रिटेल वेजिटेबल सेलर्स का कहना है कि टमाटर की कीमत तीन हफ्ते में 400 परसेंट चढ़ी है। इसने आम लोगों का बजट बिगाड़ कर रख दिया है। देश के सेंट्रल और साउथ के राज्यों से अगले सात से 10 दिन में नई फसल आने की संभावना है। ट्रेडर्स का कहना है कि अगर मॉनसून ने खेल खराब नहीं किया तो अगले महीने के मध्य से टमाटर की कीमतों में कमी आनी शुरू हो जाएगी। हालांकि उन्होंने कहा कि बारिश के कारण देश के कई इलाकों में फसल प्रभावित हुई है। इस कारण दूसरी सब्जियों की कीमत बढ़ सकती है। दिल्ली की मंडियों में अच्छी क्वालिटी का टमाटर पहले 15 रुपये किलो मिल रहा जो अब 56 से 60 रुपये पहुंच गया है। इसी तरह हाइब्रिड टमाटर जून के पहले हफ्ते में 14 रुपये किलो मिल रहा था लेकिन अब इसकी कीमत 46 से 50 रुपये पहुंच गई है। 2020 और 2021 में टमाटर की बंपर फसल हुई थी और कीमत में भारी गिरावट से किसानों की लागत भी नहीं निकल पाई थी। यही वजह है कि इस बाह हिमाचल, उत्तराखंड और कई दूसरे राज्यों के किसानों ने टमाटर की खेती से परहेज किया। पिछले साल की तुलना में इस बार उत्पादन आधा है। रही सही कसर ओले और बारिश ने पूरी कर दी।

1.45 लाख किमी का रोड नेटवर्क चीन से आगे निकला भारत

नंबर 1 बनने से बस एक कदम दूर

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में तेजी से सड़कों का निर्माण हो रहा है। हाईवे, एक्सप्रेस वे बन रहे हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि साल 2024 तक भारत की सड़कें अमेरिका की सड़कों को टक्कर देगी। रोड नेटवर्क में भारत ने बड़ी कामियाबी हासिल कर ली है। चीन को पछाड़कर भारत सड़क नेटवर्क मामले में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा रोड नेटवर्क वाला देश बन गया है। नंबर 1 देश बनने से वो बस एक कदम दूर है। दुनियाभर में सबसे बड़े रोड नेटवर्क मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका पहले नंबर पर है। वहीं दूसरे नंबर पर अब तक चीन (China) था, जिसे भारत ने पछाड़ दिया है।चीन को पछाड़कर भारत ने दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

चीन को पछाड़कर भारत बना नंबर 1

भारत ने 9 सालों में विशाल रोड नेटवर्क का निर्माण किया है। साल 2014 के बाद से भारत में 1.45 लाख किमी का लंबा रोड नेटवर्क तैयार हो गया है। 9 सालों में भारत में बढ़ते सड़कों के जाल ने उसे बड़ी कामियाबी दी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे नौ सालों में भारत ने कई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे जोड़े गए। इस सफलता के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रोड नेटवर्क वाला देश बन गया है। भारत ने चीन से ये खिताब छीन लिया है। भारत ने सबसे ज्यादा रोड नेटवर्क के मामले चीन को पीछे किया है। पिछले 9 सालों में देश में 1.45 लाख किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं।

9 साल में बना दिए 7 रिकॉर्ड

नितिन गडकरी ने बताया कि कैसे 9 सालों में सरकार ने रोड नेटवर्क को बढ़ाने के लिए दिन-रात काम किया । उन्होंने कहा कि सरकार ने 9 सालों में 7 रिकॉर्ड बना लिए। नितिन गडकरी के मुताबिक इस साल मई में NHAI ने 100 घंटे में 100 किलोमीटर लंबा नया एक्सप्रेसवे बनाकर रिकॉर्ड बना दिया। वहीं बीते साल NHAI ने 105 घंटे और 33 मिनट में 75 किमी लंबा एकल बिटुमिनस कंक्रीट सड़क का निर्माण पूरा कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 9 साल में टोल कलेक्शन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। नौ सालों में यह 4770 करोड़ रुपये से बढ़कर 41342 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। सरकार ने FASTag (फास्टैग) के इस्तेमाल से टोल प्लाजा पर लंबी कतारों से लोगों को निजात दिलाया। नितिन गडकरी के कार्यकाल में सड़क निमार्ण ने रफ्तार पकड़ी। नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस वे से देश को एक कोने से दूसरे कोने को जोड़ने का काम किया गया है।

इंदौर जीपीओ को स्वच्छतम संस्था अवार्ड

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के अंतर्गत स्वच्छ वार्ड रैंकिंग में इंदौर जीपीओ को स्वच्छतम संस्था का अवार्ड प्राप्त हुआ । महापौर नगर पालिक निगम श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त नगर पालिक निगम इंदौर हर्षिता सिंह एवं समस्त एमआईसी सदस्यों की उपस्थिति में वरिष्ठ पोस्ट मास्टर इंदौर जीपीओ श्री श्रीनिवास जोशी को स्वच्छतम वार्ड रैंकिंग में नंबर 01 शहर की स्वच्छतम संस्था का सर्टिफिकेट एवं शील्ड प्रदान की गई । वरिष्ठ पोस्टमास्टर इंदौर जी पी ओ ने इस सम्मान के लिए सभी कर्मचारियों और नागरिकों को भी धन्यवाद दिया।

अगर नहीं बनता है आपका इनकम टैक्स तो ये फॉर्म भरें

सावधानी नहीं रखी तो हो सकती है परेशानी

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आपका इनकम टैक्स नहीं बनता है तो ये फॉर्म आपके लिए नहीं हैं। इनकम टैक्स कानून के तहत टैक्सपेयर्स को कुछ खास तरह की इनकम पर टीडीएस (TDS) में छूट मिलती है। इनमें ब्याज, डिविडेंड, रेंट और इंश्योरेंस कमीशन शामिल है। फॉर्म 15G और 15H में आपको इस इनकम का खुलासा करना पड़ता है। जिन लोगों पर इनकम टैक्स नहीं बनता वे पैन के साथ ये दोनों फॉर्म बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों में जमा करा सकते हैं। ये दोनों फॉर्म अपनी इनकम पर टीडीएस कटने से बचाने के लिए भरे जाते हैं। अगर आपको होने वाली कुल आय पर टैक्स की कोई देनदारी नहीं बनती तो दोनों में से कोई एक फॉर्म भरा जा सकता है। इसके बाद आपका टीडीएस नहीं काटा जाएगा। 15जी उन लोगों के लिए है जो सीनियर या सुपर सीनियर सिटीजन नहीं है। इस फॉर्म को बैंक में जमा करने से एफडीआर

पर और उससे अर्जित ब्याज पर टीडीएस कटने से बचाया जा सकता है। वहीं 15एच फॉर्म सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजन के लिए है। दोनों फॉर्म को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से भरा जा सकता है। आइए, जानते हैं कि इन फॉर्म को भरने की योग्यता क्या है और कौन इसे भर सकता है।

15G कौन भर सकता है?

-इसे कंपनियां नहीं भर सकतीं, सिर्फ व्यक्तियों के लिए है।

-भारतीय नागरिक होना चाहिए।

-आपकी उम्र 60 साल के कम होनी चाहिए।

15H किसके लिए है?

-भारतीय नागरिक होना चाहिए।

-आपकी उम्र 60 साल या उससे अधिक होनी चाहिए।

-आपकी आय पर टैक्स देनदारी नहीं होनी चाहिए।

-आपकी इनकम पर टैक्स nil होना चाहिए।

-आपकी सालाना आय ढाई लाख रुपये से कम होनी चाहिए।

अगर आपकी सालाना इनकम ढाई लाख रुपये या तय सीमा से ऊपर है तो आपको ये फॉर्म नहीं भरने चाहिए। इसकी वजह यह है कि इन फॉर्म्स के साथ पैन नंबर भी दिया जाता है। इससे बाद में आपको परेशानी हो सकती है। पकड़े जाने पर आपके ऊपर टैक्स चोरी के आरोप भी लग सकते हैं।

देश के चालू खाते घाटे में बड़ी गिरावट

घटकर GDP का 0.2% रहा खजाने में भी अच्छा-खासा उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर है। भारत का चालू खाता घाटा चौथी तिमाही में कम हुआ है। देश का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में घटकर 1.3 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 0.2 फीसदी रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। व्यापार घाटे में कमी आने और सेवा निर्यात में भारी वृद्धि होने के कारण कैड में यह गिरावट दर्ज की गई।

0.2% रह गया चालू खाता घाटा

आरबीआई ने कहा, 'देश का चालू खाते का घाटा वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में घटकर 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 0.2 फीसदी) रह गया। यह तीसरी तिमाही में 16.8 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 2.0 फीसदी) था। एक साल पहले की चौथी तिमाही में यह 13.4 अरब अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.6 फीसदी) था।'

मजबूत सर्विस एक्सपोर्ट्स के चलते आई गिरावट

कैड किसी देश के भुगतान संतुलन का एक प्रमुख संकेतक होता है। आरबीआई यह कहता रहा है कि कैड उसके प्रबंधन-योग्य दायरे में बना रहेगा। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कैड में गिरावट आने की मुख्य वजह मजबूत सेवा निर्यात के साथ व्यापार घाटे में आई कमी रही। इस तिमाही में देश का व्यापार घाटा तीसरी तिमाही के 71.3 अरब डॉलर से घटकर 52.6 अरब डॉलर रह गया।

5.6 अरब डॉलर बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार

आरबीआई ने कहा कि कंप्यूटर संबंधित सेवाओं से शुद्ध कमाई में वृद्धि होने के कारण सेवाओं से प्राप्तियां भी बढ़ी हैं। समीक्षाधीन अवधि में विदेशी मुद्रा भंडार 5.6 अरब डॉलर बढ़ा, जबकि 2021-22 की चौथी तिमाही में इसमें 16.0 अरब डॉलर की कमी हुई थी।

6.4 अरब डॉलर रहा FDI

आरबीआई के मुताबिक, शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (इअ्ब) चौथी तिमाही में 6.4 अरब डॉलर रहा। जबकि तीसरी तिमाही में यह 2.0 अरब डॉलर था। हालांकि जनवरी-मार्च 2022 की तिमाही में यह आंकड़ा 13.8 अरब डॉलर रहा था। बीते वित्त वर्ष में एफडीआई का शुद्ध प्रवाह भी साल भर पहले के 38.6 अरब डॉलर से घटकर 28 अरब डॉलर रह गया।

FPI ने की 1.7 अरब डॉलर की निकासी

वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में शुद्ध विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI) के अंतर्गत 1.7 अरब डॉलर की निकासी दर्ज की गई। जबकि साल भर पहले की समान अवधि में 15.2 अरब डॉलर की निकासी हुई थी। समूचे वित्त वर्ष 2022-23 में चालू खाता घाटा जीडीपी का दो फीसदी रहा। जबकि 2021-22 में यह आंकड़ा 1.2 फीसदी था।

क्या Bank Locker में रख सकते हैं कैश

जान लीजिए RBI के नियम

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को लॉकर के लिए अपने ग्राहकों के साथ एक नया एग्रीमेंट करने का निर्देश दिया है। अगर आपके पास बैंक में लॉकर है तो आपको अपने बैंक के साथ अब एक नया एग्रीमेंट साइन करना होगा।

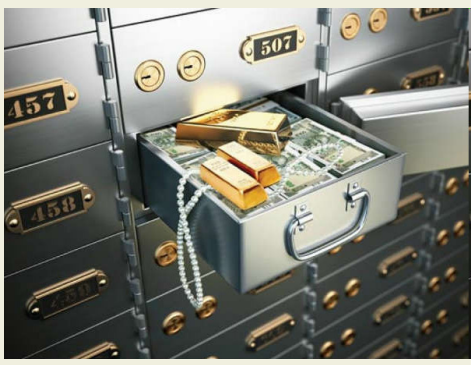

किन चीजों की मनाही?

आरबीआई ने बैंकों को कहा कि ग्राहकों के साथ होने वाले नए समझौतों में यह स्पष्ट बताया जाना चाहिए की ग्राहक लॉकर में किन चीजों को रख सकते हैं और किन चीजों को नहीं। आरबीआई ने कहा कि महत्वपूर्ण दस्तावेज, गहने रखे जा सकते हैं जबकि कैश, हथियार, खतरनाक पदार्थ या नशीले पदार्थों को सख्त वर्जित घोषित किया जाना चाहिए। आरबीआई ने बताया कि बैंकों और ग्राहकों के बीच यह समझौता भारतीय बैंक संघ के एक मॉडल के मुताबिक है। नए नियमों के मुताबिक अधिकारियों का उद्देश्य अवैध नकदी/मुद्रा और यहां तक कि खतरनाक पदार्थों, नशीले पदार्थों और यहां तक कि हथियारों को छिपाने के लिए बैंक लॉकरों के किसी भी संभावित दुरुपयोग को रोकना है।

बैंक मांग सकता है पहचान का प्रमाण

नए समझौते के मुताबिक अब जिस ग्राहक ने बैंक लॉकर इश्यू करवाया है सिर्फ वहीं लॉकर का एक्सेस ले सकता है। अब वो किसी और के नाम पर लॉकर को ट्रांसफर नहीं कर सकता। इसके अलावा अगर ग्राहक अपनी पहचान ठीक से स्थापित नहीं कर पाता तो बैंक उसे लॉकर का एक्सेस नहीं देगा। बैंक जब चाहें ग्राहकों से अपनी पहचान का प्रमाण देने के लिए कह सकता है। नए नियमों के मुताबिक अगर लॉकर की चाबी का दुरुपयोग किया जाता है, तो इसकी पूरी तरह से जिम्मेदारी ग्राहक की होगा। इस स्थिति में कस्टमर बैंक को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता। हालांकि अगर लॉकर में रखा आपका सामान गयाब होता है तो फिर नियम के अनुसार आपके पास उपाय मौजूद होगा।

बैंक देगा स्टांप पेपर का खर्च

अगर आप लॉकर के मौजूदा ग्राहक हैं तो आपको स्टाम्प पेपर का खर्च नहीं देना है, इसका खर्च बैंक वहन करेगा, लेकिन अगर आप नया लॉकर लेने का सोच रहे हैं तो आपको स्टांप पेपर के लिए भुगतान करना होगा। आरबीआई ने बैंकों को 1 जनवरी, 2023 तक अपने ग्राहकों के साथ लॉकर के समझौते को करने के लिए कहा था लेकिन बाद में आरबीआई ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए एग्रीमेंट की आखिरी तारिख इस साल का आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर 2023 कर दिया है।

10 बैंकों पर RBI ने ठोका भारी भरकम जुर्माना

नई दिल्ली। एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने नियमों की अनदेखी के कारण तीन प्राइवेट बैंक समेत 10 बैंकों पर भारी भरकम जुर्माना लगाया है। जिन बैंकों पर जुर्माना लगाया गया है, उनमें कई बड़े नाम शामिल हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने नियमों की अनदेखी मामले में जम्मू एंड कश्मीर बैंक , बैंक ऑफ महाराष्ट्र और एक्सिस बैंक पर भारी भरकम जुर्माना लगाया है। इसके अलावा 7 को ऑपरेटिव बैंकों पर भी पेनल्टी लगी है।

इन बैंकों पर लगा जुर्माना

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बड़ा एक्शन लेते हुए देश के बड़े बैंकों पर पर भारी भरकम जुर्माना लगाया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एक्सिस बैंक और जम्मू एंड कश्मीर बैंक पर पेनेल्टी लगी है। क्रेडिट कार्ड नियम उल्लंघन के कारण इन बैंकों पर ये जुर्माना लगा है। इनके अलावा 7 सहकारी बैंकों पर भी जुर्माना लगा है। आरबीआई ने 26 जून को टेक्सटाइल ट्रेडर्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, उज्जैन नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, पानीहाटी को-ऑपरेटिव बैंक, द बेरहामपुर को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक, सोलापुर सिद्धेश्वर सहकारी बैंक, उत्तर प्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड और उत्तरपारा को-ऑपरेटिव बैंक पर भारी भरकम जुर्माना लगाया है।

किस पर लगा कितने का जुर्माना

रिजर्व बैंक ने जम्मू एंड कश्मीर बैंक पर 2.5 करोड़ रुपये का जुर्माना, बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर भी 1.45 करोड़ रुपये, और एक्सिस बैंक पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसी तरह से उत्तर प्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर 28 लाख, टेक्सटाइल ट्रेडर्स को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर 4.50 लाख रुपये, पानीहाटी सहकारी बैंक और उत्तरपारा सहकारी बैंक पर 2.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसी तरह से सोलापुर सिद्धेश्वर सहकारी बैंक पर 1.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। वहीं उज्जैन नागरिक सहकारी बैंक , द बेरहामपुर को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

क्या होगा खाताधारकों पर असर

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों पर भारी भरकम जुर्माना लगाया है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठ रहा था कि ग्राहकों पर क्या असर होगा। आपको बता दें कि आरबीआई द्वारा बैंकों पर लगाए गए जुर्माने का असर ग्राहकों पर नहीं होगा। ग्राहकों की सर्विस पहले की तरह की जारी रहेगी। उनकी जमापूंजी बैंकों पर पूरी तरह सुरक्षित है। उनके लेनदेन या फिर समझौते या लोन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ये जुर्माना बैंकों पर नियमों की अनदेखी के कारण लगा है।

अब सस्ती होगी अरहर की दाल

सरकार उठाने जा रही है यह बड़ा कदम

नई दिल्ली। एजेंसी

कीमत को कंट्रोल में रखने के लिए केंद्र सरकार अब अपने बफर स्टॉक से खुले मार्केट में रियायती दरों पर अरहर की दाल बेचेगी। खाद्य मंत्रालय के अनुसार जब तक इम्पोर्टेड अरहर की दाल खुले मार्केट में नहीं आती है, तब तक सरकार इसे जारी रखेगी। सरकार की कोशिश है कि इस दाल की सप्लाई में कमी ना होने दी जाए। अरहर की दाल का आयात मुख्य तौर पर म्यांमार और तंजानिया, मोजाम्बिक और सूडान जैसे पूर्वी अफ्रीकी देशों से किया जाता है। इन देशों से अरहर की दाल जुलाई के अंत या अगस्त माह में आने की संभावना है। मगर जिस तरह से अरहर की दाल की कीमत बढ़ रही है, उसको देखते हुए सरकार ने अब इसे रियायती दरों पर खुले मार्केट में बेचने का फैसला किया है। सरकार अपने बफर स्टॉक से NAFED और ञ्ण्ड्ड को देगी। NAFED और ञ्ण्ड्ड मिल मालिकों और थोक विक्रेताओं को दालें बेचेंगी, जिससे खुले मार्केट में अरहर की दाल की सप्लाई बढ़ सके और उपभोक्ताओं के लिए तैयार अरहर दाल के उपलब्ध स्टॉक को बढ़ाया जा सके।

गौरतलब है कि सरकार आमतौर पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए खाद्य वस्तुओं का बफर स्टॉक रखती है। पिछले कुछ दिनों से दालों की बढ़ती कीमतों को कंट्रोल करने के लिए सरकार ने दालों के लिए स्टॉक लिमिट भी लागू कर दी है। इसके तहत थोक और रिटेल विक्रेता ए क सीमा से ज्यादा दालों का स्टॉक नहीं रख सकता। ऐसा करने पर उसे उसके खिलाफ जमाखोरी कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।खाद्य मंत्रालय का कहना है कि स्टॉक लिमिट लागू होने के बाद राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में कीमतों की लगातार निगरानी कर रही हैं और स्टॉक सीमा आदेश का उल्लंघन

करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए स्टॉक-होल्डिंग संस्थाओं की स्टॉक स्थितियों का वेरिफिकेशन भी कर रही हैं। भारत दालों का एक बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक है और यह आयात के माध्यम से अपनी खपत की जरूरतों के एक हिस्से को पूरा करता है। भारत में मुख्य रूप से अरहर चना, मसूर, उड़द, काबुली चना और अरहर का सेवन किया जाता है।

आगे कितनी गलेगी अरहर की दाल?

तमाम कोशिशों के बावजूद अरहर की दाल के दाम में तेजी नहीं रुक रही है। देश में सबसे अधिक खपत अरहर की दाल की होती है। कुल खपत में अरहर और उड़द की दाल की हिस्सेदारी 60 फीसदी के करीब है। दो महीने पहले अरहर की दाल की कीमत 95 से 110 रुपये प्रति किलो थी। अब यह 130 से 150 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। साल 2022-23 फसल सीजन में अरहर की दाल का उत्पादन करीब 37 लाख टन होने की संभावना है। जबकि इसकी कुल डिमांड 48 से 50 लाख टन के करीब है। सरकार ने इस अंतर को पूरा करने के लिए म्यांमार सहित कई देशों से इसकी खरीद कर ली है, मगर वहां से आने में अभी देरी है। इस वक्त सरकार को सबसे अधिक यह डर सता रहा है कि अगर आयातित दालें अगस्त तक खुले मार्केट में नहीं आ सकीं तो अरहर की दाल की कीमत 200 रुपये तक जा सकती है। अगस्त से फेस्टिव सीजन शुरू हो जाएगा तो उसकी डिमांड में 20 से 30 फीसदी की बढ़ोतरी हो जाएगी। ऐसे में जरूरी है कि आयातित दालों के खुले मार्केट में आने तक अरहर की दाल की सप्लाई बढ़ाई जाए। इसकी कीमतों को नीचे लाने की कोशिशें जारी रखी जाएं। चुनावी साल में सरकार नहीं चाहती कि दालों की कीमतें नई ऊंचाई बनाएं, क्योंकि इससे रिटेल महंगाई दर बढ़ सकती है। अब देखने होगा कि यहां सरकार की दाल कितनी गलेगी।

बैंकिंग सिस्टम पर मंडरा रहा है नया खतरा

लोन नहीं अब क्रेडिट कार्ड का पैसा हजम कर रहे फ्रॉडिए

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में क्रेडिट कार्ड से पेमेंट का चलन बढ़ रहा है। लेकिन इसके साथ ही देश के फाइनेंशियल सिस्टम पर एक नए तरह का खतरा भी मंडराने लगा है। फाइनेंशियल ईयर 2023 तक देश में क्रेडिट कार्ड की संख्या 8.53 करोड़ पहुंच गई जो एक साल पहले 7.36 करोड़ थी। क्रेडिट कार्ड का प्रचलन बढ़ने के साथ ही देश में इसका एनपीए भी बढ़ा है। पिछले साल अप्रैल से दिसंबर के बीच बैंकों के क्रेडिट कार्ड का एनपीए यानी फंसा कर्ज 24.5 फीसदी उछल गया था। फाइनेंशियल ईयर 2022 के पहले नौ महीनों में यह 765 करोड़ रुपये बढ़कर 3,887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह क्रेडिट कार्ड के कुल बकाये का करीब 2.16 प्रतिशत है। यह राशि आपको मामूली लग सकती है लेकिन यह लगातार बढ़ रही है। खुद आरबीआई (ढ्ढ) ने भी इस पर चिंता जताई है। केंद्रीय बैंक ने क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन जैसे असुरक्षित कर्ज पर बैंकों को आगाह किया है।

क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन अनसिक्योर्ड लोन की कैटेगरी में आते हैं क्योंकि इनके लिए किसी कोलेट्रल की जरूरत नहीं होती है। इसलिए इनके डूबने का जोखिम सबसे ज्यादा है। कोरोना काल में गिरती इनकम और कम ब्याज दरों के कारण लोगों ने क्रेडिट कार्ड से जमकर खरीदारी की। क्रेडिट कार्ड से ज्यादातर टीवी, लैपटॉप और फ्रिज जैसे कंज्यूमर आइटम खरीदे गए। अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो बैंक आपको दो विकल्प देता है। आप ड्यू डेट तक पूरा पैसा चुका सकते हैं या फिर एक मिनिमम अमाउंट पे कर सकते हैं। ड्यू डेट तक मिनिमम अमाउंट पे करने से बचा पैसा अगले महीने के बिलिंग साइकल में जुड़ जाता है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति 90 दिन के भीतर मिनिमम राशि का भुगतान नहीं करता है तो उसके एनपीए करार दिया जाता है।

30 परसेंट बढ़ा बकाया

पिछले एक साल में देश में क्रेडिट कार्ड का बकाया 30 फीसदी बढ़ा है। यह ओवरऑल बैंक लोन की तुलना में करीब दोगुना बढ़ा है। अप्रैल में क्रेडिट कार्ड का बकाया दो लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। पहली बार इसने यह आंकड़ा छुआ है। हालांकि बैंकों का कहना है कि इसमें चिंता की बात नहीं है क्योंकि क्रेडिट कार्ड बकाये का हिस्सा बहुत कम है। मगर आरबीआई (RBI) ने अनसिक्योर्ड बैंक क्रेडिट में बढ़ोतरी पर चिंता जताई है। आरबीआई के मुताबिक अप्रैल, 2023 में क्रेडिट कार्ड बैलेंस 2,00,258 करोड़ पहुंच गया है जो पिछले साल अप्रैल की तुलना में 29.7 फीसदी अधिक है। क्रेडिट कार्ड के बकाये में बढ़ोतरी का मतलब है कि लोगों पर कर्ज बढ़ रहा है। टोटल बैंक क्रेडिट में कार्ड बैलेंस की हिस्सेदारी महज 1.4 फीसदी है। पर्सनल लोन में यह हाउसिंग (14.1 परसेंट) और ऑटो लोन (3.7 परसेंट) के बाद सबसे ज्यादा है। साल 2008 के ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस से ठीक पहले क्रेडिट काड्र्स का बकाया 1.2 फीसदी तक चला गया था। इसके बाद एक दशक तक यह एक फीसदी से नीचे बना रहा। अगस्त 2019 में इसने एक फीसदी के आंकड़े को पार किया और फिर उसके बाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

आबादी के हिसाब से देखें तो भारत में पांच फीसदी से भी कम लोगों के पास क्रेडिट कार्ड है। यह कई दूसरे विकासशील देशों से बहुत कम है। लेकिन आने वाले दिनों में इस संख्या के तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। खासकर युवाओं के बीच क्रेडिट कार्ड खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। पिछले दशक में भारतीय बैंकिंग सेक्टर को एनपीए की समस्या का सामना करना पड़ा था। अब भी बैंक इस समस्या से नहीं निकल पाए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंकों ने 3.5 लाख करोड़ रुपये के लोन के विलफुल डिफॉल्टर्स की कैटगरी में डाल रखा है। यह ऐसा लोन है जिसमें लोग लोन चुकाने में सक्षम हैं लेकिन वे जानबूझकर डिफॉल्ट कर रहे हैं।

बढ़ता जोखिम

अब क्रेडिट कार्ड डिफॉल्टर के रूप में नए तरह का फ्रॉड उभर रहा है जो देश के फाइनेंशियल सिस्टम को खोखला कर सकता है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी अमेरिका को हाल में गंभीर बैंकिंग क्राइसिस का सामना करना पड़ा था। वहां क्रेडिट कार्ड बैलेंस एक ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। यानी कि लोगों पर क्रेडिट कार्ड के बकाये के रूप में एक लाख करोड़ डॉलर का कर्ज है। भारत में अभी पांच प्रतिशत से भी कम लोगों का पास क्रेडिट कार्ड है। जाहिर है कि भविष्य में यह संख्या बढ़ेगी और इसके साथ ही इसमें एनपीए भी बढ़ेगा। इससे बैंकों की एसेट क्वालिटी पर असर हो सकता है, क्रेडिट रिस्क एक्सपोजर बढ़ सकता है। साथ ही इसका दूसरे कर्जदारों और बैंकों पर भी असर हो सकता है। इससे पहले की यह विकराल स्तर तक पहुंच जाए, बैंकिंग रेगुलेटर को इससे निपटने के लिए उपाय करने चाहिए।

आषाढ़ पूर्णिमा के मौके पर करें ये उपाय, पूरी होगी हर मनोकामना

हिंदू धर्म ग्रंथों और ज्योतिष शास्त्र में किसी भी पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है। इस समय चंद्रमा सभी कलाओं से साथ मौजूद होते हैं, और इनका सभी राशियों पर विशेष प्रभाव पड़ता है। खास तौर पर शुक्लपक्ष में पड़ने वाली पूर्णिमा तिथि को ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि इस दिन भगवान लक्ष्मीनारायण और चंद्र देवता की विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति को सभी सुख प्राप्त होते हैं। इनमें से आषाढ़ मास की पूर्णिमा का बहुत ज्यादा धार्मिक महत्व बताया गया है। इंदौर के पंडित प्रफुल्ल शर्मा ने आषाढ़ी पूर्णिमा व्रत के महत्व और पूजा विधि के बारे में विस्तार से बताया।

आषाढ़ पूर्णिमा: तिथि एवं शुभ मुहूर्त

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

पंचांग के अनुसार इस साल आषाढ़ पूर्णिमा का व्रत 03 जुलाई 2023 को रखा जाएगा। पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 02 जुलाई की सुबह 08:21 बजे होगी और यह 03 जुलाई 2023 की शाम 5:08 बजे समाप्त होगी। इस बार आषाढ़ पूर्णिमा पर ब्रह्म योग और इंद्र योग बन रहे हैं। इस दिन ब्रह्म योग दोपहर 03:45 बजे तक है, उसके बाद से इंद्र योग प्रारंभ हो जाएगा। ये दोनों ही योग पूजा-पाठ आदि के लिए शुभ हैं। इस दिन शाम 07:40 बजे चंद्रमा का उदय होगा। जो लोग व्रत रखते हैं, उन्हें इस समय पर चंद्रमा की पूजा कर अर्घ्य देना चाहिए। चंद्र अर्घ्य और पूजा करने से जीवन में सुख और शांति आती है। साथ ही चंद्र दोष खत्म होता है।

आषाढ़ पूर्णिमा के उपाय

- आषाढ़ पूर्णिमा का पुण्यफल पाने के लिए इस दिन गंगा स्नान करें या फिर अपने नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।
- इस दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दें और भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी और शाम को चंद्र देवता की विधि-विधान से पूजा करें।
- कुंडली में गुरु की स्थिति खराब हो तो आषाढ़ पूर्णिमा पर तुलसी, हल्दी अथवा पीले चंदन की माला से 'ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः' मंत्र का जप करें।
- धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए इस दिन 'ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मयै नमः' मंत्र का जप करें। इस दिन श्रीयंत्र की पूजा और श्रीसूक्त का पाठ भी करना चाहिए।
- सुख-समृद्धि और परिवार में शांति के लिए आषाढ़ पूर्णिमा पर पीले चंदन की माला से 'ॐ नमोः नारायणाय नमः' का जप करें।
- आषाढ़ी पूर्णिमा के दिन जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र आदि का दान और अपने गुरु या बुजुर्ग को वस्त्र, उपहार, दक्षिणा आदि देकर सम्मानित करें।

वासुदेव द्वादशी पर करें भगवान श्री कृष्ण की पूजा

सर्वगुण संपन्न संतान की होगी प्राप्ति

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

वासुदेव द्वादशी के दिन भगवान कृष्ण के साथ देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस दिन का सनातन धर्म में खास महत्व है। मान्यताओं के अनुसार, जो जातक वासुदेव द्वादशी का व्रत रखता है। उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इसके अलावा जो दंपती संतान प्राप्ति की कामना रखने हैं। उन्हें वासुदेव द्वादशी का व्रत करना चाहिए। इस आषाढ़ मास द्वादशी 30 जून को 02.42 मिनट से 1 जुलाई को 01.17 मिनट तक रहेगी।

वासुदेव द्वादशी का महत्व

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को वासुदेव द्वादशी कहा जाा है। यह दिन चतुर माह की शुरुआत का प्रतीक है, जो चार पवित्र मानसून माह का संकेत देता है। आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन के महीनों में भक्त भगवा कृष्ण और माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं। इस दिन उपवास रखने से भक्तों को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

वासुदेव द्वादशी मनाने का कारण

यह व्रत नारद मुनी ने वासुदेव और देवकी को बताया था। भगवान वासुदेव और माता देवकी ने आषाढ़ मास के शुक्ल की द्वादशी तिथि को व्रत रखा था। इस व्रत के कारण उन्हें श्री कृष्ण के रूप में संतान की प्राप्ति हुई थी। इस व्रत की महिमा से जातक को सभी कष्ट से मुक्ति मिल जाती है।

वासुदेव द्वादशी पूजा विधि

सुबह सबसे पहने नहाने के बाद साफ कपड़े पहनने। पूरे दिन का व्रत रखें। भगवान को फल-फूल चढ़ाने चाहिए। भगवान विष्णु को पंचामृत का भोग लगाए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम का जाप करने से हर समस्या का समाधान होगा।

सावन में भगवान शिव को अर्पित न करें ये चीजें, झेलना पड़ सकता है प्रकोप

सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा बहुत महत्वपूर्ण होती है। इस महीने में भगवान शिव की विशेष आराधना की जाती है। सावन के महीने के हर सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करना शुभ माना जाता है। भगवान शिव की पूजा में कुछ नियम होते हैं, जिन्हें पालन करना बहुत जरूरी होता है। इन नियमों का पालन करने से भगवान शिव हमेशा हमारी कृपा करते हैं। इसी के साथ कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जो भगवान शिव को अर्पित नहीं करना चाहिए। आइए जानते हैं कि सावन माह में भगवान शिव को किन चीजों को अर्पित नहीं करनी चाहिए -

नारियल पानी

शिवलिंग पर कभी भी नारियल या नारियल का पानी नहीं अर्पित किया जाता है। देवताओं को चढ़ाया जाने वाले प्रसाद ग्रहण करना आवश्यक होता है, लेकिन शिवलिंग का अभिषेक जिन पदार्थों से होता है, उन्हें कभी भी ग्रहण नहीं किया जाता है।

केतकी का फूल, कनेर और कमल

शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान शिव को केवल श्वेत रंग का पुष्प ही अर्पित करना चाहिए। केतकी का फूल, कनेर और कमल का पुष्प नहीं अर्पित करना चाहिए।

हल्दी

भगवान शिव को कभी भी हल्दी नहीं चढ़ाई जाती है। हल्दी को माता लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और इसे सौंदर्य का प्रतीक भी कहा गया है। इसलिए शिवलिंग पर स्त्री से संबंधित वस्तु नहीं अर्पित करना चाहिए।

सिंदूर, कुमकुम या रोली

शिवलिंग पर कोई भी स्त्री तत्व नहीं अर्पित किया जाता है। सिंदूर, कुमकुम या रोली सुहाग और सौंदर्य के प्रतीक माने जाते हैं।

श्री रोशनी शर्मा
9265235662
हस्त रेखा एवं फेस रीडर
(ज्योतिषाचार्य)

तुलसी की पत्तियां

भगवान शिव को तुलसी की पत्तियां भी अर्पित नहीं करना चाहिए। तुलसी को विष्णु भक्ति का प्रतीक माना जाता है और उसे भगवान विष्णु की पूजा में ही अर्पित करना चाहिए।

गुरु के आशीर्वाद से मिलेगी सफलता

गुरुब्रह्मा, गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः गुरुर्साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमःष्ठ यह मंत्र बचपन में हम सभी सुनते और पढ़ते आए हैं. हिंदू धर्म के पुराणों में गुरु को भगवान से ऊंचा स्थान का वर्णन मिलता है. क्योंकि वो गुरु ही है जो भगवान और ब्रह्मांड का ज्ञान देता है. इस वर्ष तीन जुलाई को गुरु पूर्णिमा है. यह पर्व वेद व्यास के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है. संसार के सबसे पहले गुरु वेद व्यास हैं जिन्होंने वेदों, पुराणों के माध्यम से सनातन धर्म से जुड़ी जानकारियां हम तक पहुंचा कर ज्ञान के प्रकाश से अज्ञानता को दूर किया है.

गुरु पूर्णिमा के दिन महर्षि वेद व्यास के पूजन के साथ-साथ अपने गुरु की भी पूजा करनी चाहिए. इनके आशीर्वाद से व्यक्ति को सफलता मिलती है. पंडित ने गुरु पूर्णिमा के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि यह आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है. इस दिन वेद व्यास का जन्म हुआ था इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है. उन्होंने कहा कि गुरु को हमने ब्रह्मा, विष्णु और महेश के रूप में माना है. गुरु शब्द, दो शब्दों गुरु से मिला है. इसमें गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ है हनन करना. यानी हमारे मन, मस्तिष्क में अज्ञानता और अंधकार को दूर कर ज्ञान के प्रकाश को पैदा करने वाले को गुरु कहा जाता है.

गुरु के आशीर्वाद से शिष्य का जीवन होता है सफल

उन्होंने बताया कि अगर गुरु का आशीर्वाद मिल जाता है तो शिष्य का जीवन सफल हो जाता है. इसलिए ही गुरु को भगवान के समान माना गया है. प्राचीन समय का जिक्र करते हुए पंडित उदय शंकर भट्ट ने बताया कि प्राचीन काल में गुरु शिष्य का परीक्षण करते थे और शिष्य भी गुरु का परीक्षण करता था. उसके बाद ही गुरु शिष्य को चुनता था. गुरु की शरण में आने के लिए पहले शिष्य को परीक्षा देनी होती थी. प्राचीनकाल से हम एकलव्य की कहानी सुनते आए हैं कि उन्होंने किस तरह अपने गुरु द्रोणाचार्य के लिए अपना अंगूठा काट लिया था.

उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु की पूजा करें. एक थाली में साफ पानी लेकर अपने गुरु के पैर धोएं और उस पानी को अपने मस्तक पर लगाएं. सच्चे मन से गुरु का पूजन करने वाले को आशीर्वाद प्राप्त होगा. हिंदू पुराणों में कहा गया है कि गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु और बड़ों का आशीर्वाद लेना व्यक्ति के लिए परम सौभाग्य की बात है. इस दिन महर्षि वेद व्यास और अपने गुरु के पूजन के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए. इस दिन गरीब और जरूरतमंदों में दान करना चाहिए.

वेद व्यास के 5 शिष्यों ने की थी गुरु पूर्णिमा पर्व की शुरुआत

महर्षि वेद व्यास को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है जिन्हें बाल्यकाल से ही अध्यात्म में रूचि थी. ईश्वर के ध्यान में लीन होने के लिए वो वन में जाकर तपस्या करना चाहते थे. उन्होंने अपने माता-पिता से आज्ञा मांगी तो उनकी माता ने इनकार कर दिया. इस पर वो जिद करने लगे तो माता ने महर्षि वेद व्यास को वन जाने की अनुमति दे दी, लेकिन उन्होंने उनसे कहा कि अगर परिवार की याद आए तो वापस आ जाएं. माता-पिता से अनुमति मिलने के बाद वेद व्यास वन चले गए और उन्होंने कठोर तपस्या की.

वेद व्यास ने संस्कृत भाषा में प्रवीणता हासिल करने के बाद महाभारत, 18 महापुराण सहित ब्रह्मसूत्र की रचना की और वेदों का विस्तार किया. इसलिए इन्हें बादरायण के नाम से भी जाना जाता है. माना जाता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन महर्षि वेद व्यास ने अपने शिष्यों और ऋषि-मुनियों को श्री भगवत पुराण का ज्ञान दिया था. तब से महर्षि वेद व्यास के पांच शिष्यों ने इस दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाते हुए गुरु का पूजन शुरू किया था. तभी से आषाढ़ माह की पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा या गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है.

वालमार्ट ने अपने सप्लायर डेवलपमेंट प्रोग्राम डिजिटल तरीके से 32,000 से ज्यादा एमएसएमई को किया प्रशिक्षित

एमएसएमई को देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए बनाया सक्षम

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वालमार्ट ने अपने सप्लायर डेवलपमेंट प्रोग्राम वालमार्ट वृद्धि के माध्यम से 32,000 से ज्यादा एमएसएमई को प्रशिक्षित किए जाने की घोषणा की है। इस प्रोग्राम की शुरुआत दिसंबर, 2019 में की गई थी। इनमें से 6,000 से ज्यादा एमएसएमई को फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस पर ऑनबोर्ड किया गया है और वे इस पर एक्टिव हैं। इससे उन्हें देशभर के उपभोक्ताओं के बीच पहुंचने का मौका मिला है। देश की जीडीपी वर्ष 2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। उस समय तक एमएसएमई सेक्टर के 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसलिए यह सेक्टर भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का अहम स्तंभ बन रहा है और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वॉलमार्ट का मानना है कि विभिन्न टूल्स के माध्यम से इन स्थानीय उद्यमियों और सप्लायर्स को कारोबार के विस्तार में सहयोग देने से उन्हें व्यापक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने, अधिक रोजगार सृजित करने और भारतीय एमएसएमई क्षेत्र के निरंतर विकास में मदद मिलेगी। अपने लोकल प्रोग्राम पार्टनर स्वस्ति (Swasti) के साथ वृद्धि प्रोग्राम के माध्यम से 2024 तक देशभर में 50,000 से ज्यादा एमएसएमई को प्रशिक्षित

करना वॉलमार्ट की पंचवर्षीय एमएसएमई निवेश योजना का हिस्सा है।

2019 में कार्यक्रम के लॉन्च के बाद से वॉलमार्ट एमएसएमई को ऑन-डिमांड लर्निंग मॉड्यूल से लैस कर रहा है। इन मॉड्यूल में मार्केटिंग, फाइनेंस, सप्लाई चेन मैनेजमेंट को व्यवस्थित करना,सही निर्णय में सक्षम बनाने के लिए डाटा-आधारित जानकारी देना, इनोवेशन एवं विस्तार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए नए ट्रेंड्स को पहचानने में मदद जैसे कदम शामिल हैं, जिससे उन्हें फ्लिपकार्ट या किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर या ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने कारोबार को विस्तार देने में सहायता मिले। इस लर्निंग प्रोग्राम में वालमार्ट एमएसएमई उद्यमी को व्यक्तिगत मेंटर सेशन के साथ-साथ अपनी तरह के अन्य उद्यमशील लोगों से मिलने का मौका भी देती है।

वॉलमार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट- सप्लायर डेवलपमेंट जेसन फ्रेमस्टैड ने कहा,'हमने 50,000 भारतीय एमएसएमई को कारोबार में सफल होने के लिए जरूरी कौशल से लैस करने के इरादे से 2019 में वॉलमार्ट वृद्धि को लॉन्च किया था। फ्लिपकार्ट समूह के चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, 'फ्लिपकार्ट में हम एमएसएमई के विकास और एक सक्षम एवं समावेशी ई-कॉमर्स इकोसिस्टम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमएसएमई भारत के विकास की रीढ़ हैं और डिजिटलीकरण उन्हें विकास के नए अवसर तलाशने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मेटा और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स पार्टनर

1 मिलियन ट्रेडर्स का कौशल संवर्धन करेंगे

सीएआईटी के ट्रेडर्स को सिखाया जाएगा व्हाट्सऐप फॉर बिज़नेस ऐप का उपयोग

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

27 जून को विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर मेटा ने देश में दो नए कौशल कार्यक्रमों की घोषणा करके भारत में छोटे व्यवसायों की वृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। मेटा ने अगले तीन सालों में व्हाट्सऐप फॉर बिज़नेस पर 1 मिलियन ट्रेडर्स को कौशल प्रदान करने के लिए कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के साथ एक नई साझेदारी की घोषणा की।

कंपनी ने 10 मिलियन छोटे व्यवसायों को कौशल प्रदान करने के लिए 2021 में मेटा द्वारा की गई प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए मेटा स्मॉल बिज़नेस एकेडमी के लॉन्च की भी घोषणा की। मेटा स्मॉल बिज़नेस एकेडमी के अंतर्गत सर्टिफिकेशन नए उद्यमियों और मार्केटर्स को मेटा ऐप्स पर विकास करने के लिए महत्वपूर्ण डिजिटल मार्केटिंग कौशल सीखने में मदद करेगा। इस कार्यक्रम को भारत में एमएसएमई तक पहुँचने में समर्थ बनाने के लिए कोर्स मॉड्यूल और परीक्षाएं सात भाषाओं - इंग्लिश, हिंदी, मराठी, बंगाली,कन्नड़, तमिल, और तेलुगू में होंगी।

संध्या देवानाथन, वाईस प्रेसिडेंट (भारत), मेटा ने कहा, "कौशल निर्माण भारत के एमएसएमई की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेटा में हम व्यवसायों को वृद्धि के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जहाँ एमएसबीए सर्टिफिकेशन उन उद्यमियों को लाभान्वित करेगा, जो अभी शुरुआत कर रहे हैं, तो वहीं सीएआईटी के साथ हमारी साझेदारी भारत में ट्रेडर्स को अपने ग्राहकों से संपर्क करने के लिए व्हाट्सएप फॉर बिज़नेस ऐप का उपयोग करने में समर्थ बनाएगी, और उनकी वृद्धि में तेजी लाएगी।"

आईपीएसओएस पब्लिक अफेयर्स द्वारा 2022 में किए गए मेटा कमीशंड सर्वे में सामने आया कि भारत में डिजिटल टूल्स का उपयोग करने वाले 91 प्रतिशत छोटे और मध्यम उद्यमों ने बताया कि मैसेजिंग ऐप और टूल्स उनके ग्राहकों से जुड़ने के लिए बहुत महत्वपूर्ण साधन हैं, और आधे से ज्यादा ने बताया कि व्हाट्सएप ने उसके बिज़नेस को नए ग्राहकों तक पहुँच बढ़ाने में मदद की। व्हाट्सऐप लोगों द्वारा एक दूसरे से संपर्क साधने का एक स्वाभाविक तरीका बन गया है। यह लोगों द्वारा व्यवसायों से संपर्क करने के पसंदीदा माध्यम के रूप में उभर रहा है।

आकासा एयर खरीदेगी 4 और बोइंग 737 मैक्स विमान

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। एजेंसी

दिवंगत इनवेस्टर राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी आकासा एयर (Akasa Air) 4 और बोइंग 737 मैक्स विमान खरीदेगी। आकासा एयर ने बुधवार को यह जानकारी दी है। आकासा एयर के मुताबिक, वह साल 2023 के अंत तक एक और महत्वपूर्ण विमान ऑर्डर की घोषणा करने जा रही है। यह घोषणा चल रहे पेरिस एयर शो में की गई थी। कंपनी ने बताया कि वह चार और बोइंग 737 मैक्स विमानों का अधिग्रहण करेगी। ये चारों विमान 72 बोइंग 737 मैक्स की मूल ऑर्डर बुक के अतिरिक्त होंगे। बता दें कि अकासा एयर ने अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी को 72 बोइंग 737 मैक्स विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया हुआ है। अकासा एयर के ऑर्डर में 737 मैक्स के दो वैरिएंट शामिल हैं। इनमें 73708 और अधिक क्षमता वाले 737-8-200 विमान शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय उड़ाने शुरू करने का लक्ष्य

बता दें कि अकासा एयर ने साल 2023 के अंत तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने का लक्ष्य रखा हुआ है। एयरलाइन 4 और 737-8 के ऑर्डर से अपनी विस्तार रणनीति को मजबूत करने की योजना को मजबूत कर रही है। अकासा एयर के संस्थापक और सीईओ विनय दूबे के मुताबिक, एयरलाइन हमारे अंतरराष्ट्रीय विस्तार का समर्थन करने के लिए चार और बोइंग 737-8 को जोड़ने के लिए उत्साहित है। जिससे अगले चार वर्षों में 72 विमानों के शुरुआती ऑर्डर को 76 तक पहुंचा दिया जाएगा। उनके मुताबिक, इस ऑर्डर से हमारे घरेलू विस्तार को भी मदद मिलेगी।

तेजी से विस्तार कर रही कंपनी

अकासा एयर के संस्थापक और सीईओ विनय दूबे के मुताबिक, आकासा एयर ने संचालन के एक वर्ष से भी कम समय में 19 विमानों के बेड़े के आकार तक पहुंचने वाली पहली एयरलाइन बनकर ग्लोबल एविएशन के 120 साल के इतिहास में एक बेंचमार्क स्थापित किया है। बता दें कि पिछले साल अगस्त में उड़ान भरने वाली एयरलाइन के पास 19 विमान हैं और 20वां विमान जुलाई में बेड़े में शामिल होने वाला है।

5 करोड़ गन्ना किसानों के लिए खुशखबरी

सरकार ने गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाने का किया एलान

नई दिल्ली। एजेंसी

मोदी सरकार ने किसानों को तोहफा दिया है। सरकार ने गन्ना किसानों को तोहफा देते हुए गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य को बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में उन्होंने अगले सीजन के लिए गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य को बढ़ाने का फैसला किया है। कैबिनेट कमिटी की आर्थिक मामलों की कमिटी ने 2023-24 सीजन के गन्ने के एफआरपी में 10 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। सरकार के फैसले के बाद गन्ने की नई एफआरपी अब 315 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। सरकार ने बुधवार को 2023-24 सत्र के लिये गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 10 रुपये बढ़ाकर 315 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। एफआरपी वह न्यूनतम मूल्य है जिसे चीनी मिलों को गन्ना किसानों को देना होता है। गन्ना सत्र अक्टूबर से शुरू होता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने गन्ने का न्यूनतम मूल्य बढ़ाने का फैसला किया। सत्र 2023-24 के लिये गन्ने का एफआरपी 315 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। पिछले सत्र में गन्ने का न्यूनतम मूल्य 305 रुपये प्रति क्विंटल था। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा 'अन्नदाता' के साथ हैं। सरकार हमेशा कृषि और किसानों को प्राथमिकता देती रही है। उन्होंने कहा कि गन्ने का न्यूनतम मूल्य 2014-15 में 210 रुपये प्रति क्विंटल था। अब वह बढ़कर 2023-24 में 315 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है।

नेस्ले ने भारत में अपने ब्रेकफास्ट सीरियल्स पोर्टफोलियो का विस्तार किया

कोको क्रंच मिलेट-ज्वार और मंच ब्रेकफास्ट सीरियल की पेशकश की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अपने नाश्ते के मेन्यू में थोड़ी और वैरायटी शामिल करने के लिए, नेस्ले ब्रेकफास्ट सीरियल्स ने भारत में अपने पोर्टफोलियो में दो नए प्रोडक्ट्स, कोको क्रंच मिलेट-ज्वार और मंच ब्रेकफास्ट सीरियल की पेशकश की है। नेस्ले इंडिया के लिए इनोवेशन और प्रोडक्ट में नयापन लाना सबसे महत्वपूर्ण है और इसी को ध्यान में रखते हुए कंपनी ब्रेकफास्ट सीरियल के अलग-अलग तरह के विकल्पों की पेशकश करती है। कोको क्रंच मिलेट-ज्वार ब्रेकफास्ट सीरियल्स नयापन लाने की दिशा में बढ़ाया गया एककदम है, जहां 'अनाजों के राजा' (किंग ऑफ मिलेट्स) के रूप में मशहूर ज्वार जैसे स्थानीय अनाज को इसमें पहले से ही मौजूद चावल और गेहूं जैसे अनाजों के साथ मिलाया गया है। अपने बेहतरीन चॉकलेटी स्वाद के साथ, कोको क्रंच फैमिली की सुबह मजेदार बनाने में मदद कर रहा है।

मंच ब्रेकफास्ट सीरियल्स उन लोगों को खुशी देने के लिए तैयार किया गया है जो कि मौके के अनुसार और ज्यादा स्वादिष्ट नाश्ते के विकल्प तलाशते रहते हैं। यह तीन अनाजों से मिलकर बना है- साबुत गेहूं का आटा, चावल और मक्का। यह प्रोडक्ट दिन की स्वादिष्ट, क्रंची और आत्मविश्वास से भरपूर शुरुआत करेगा।

गोपीचंद्र जगतीसन, हेड, ब्रेकफास्ट सीरियल्स, नेस्ले इंडिया ने कहा, 'नाश्ता दिन की शुरुआत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मील है। अपने ग्राहकों को और भी ज्यादा वैरायटी देने के लिए, हमने कोको क्रंच मिलेट-ज्वार और मंच ब्रेकफास्ट सीरियल्स को शामिलकर अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इन दो नए प्रोडक्ट्स के साथ, हम अपने ग्राहकों को नाश्ते के दो बेहतरीन विकल्प दे पाएंगे ताकि वह अपने दिन की एक बेहतर शुरुआत कर सकें।' नेस्ले ब्रेकफास्ट सीरियल्स की पेशकश भारत में 2018 में की गई थी, जो भारतीय परिवारों के लिए ब्रेकफास्ट सीरियल्स के अलग-अलग विकल्पों की पेशकश करता है।

फ्लिपकार्ट ने नॉन फंक्शनल स्मार्टफोन और एप्लायंसेज के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के स्वदेशी ईकॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने बेकार हो चुके एप्लायंसेज स्मार्टफोन तथा फीचर फोन्स के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम लॉन्च करने की घोषणा की है यह प्रोग्राम ग्राहकों को अपने पुराने और बेकार हो चुके लार्ज तथा इलेक्ट्रॉनिक एप्लायंसेज जैसे टेलीविजन रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन से लेकर लैपटॉप स्मार्टफोन तथा फीचर फोन्स को एक्सचेंज करने की सुविधा दिलाएगा

एक्सचेंज प्रोग्राम के लॉन्च के बारे में आशुतोष सिंह चंदेल सीनियर डायरेक्टर एवं बिजनेस हैड री-कॉमर्स फ्लिपकार्ट ने कहा भारत दुनिया में ई वेस्ट पैदा करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है जहां 2019 में 3.2 मिलियन टन ई-वेस्ट पैदा हुआ लेकिन केवल 10 प्रतिशत वेस्ट को ही रीसाइकिल करने के लिए एकत्र किया जाता है। एमईआईटीवाई पॉलिसी पेपर के अनुसार इस सेक्टर को अधिक सर्कुलर नीति अपनाने की जरूरत है अब नॉन-फंक्शनल एप्लायंसेज के लिए पेश नए एक्सचेंज प्रोग्राम के साथ ही हम अपने ग्राहकों को पुराने इलेक्ट्रॉनिक एवं लार्ज एप्लायंसेज को बदलने के लिए इनोवेटिव सस्टेनेबल और सुविधाजनक समाधान देने के साथ-साथ उन्हें अपनी मनमर्जी के प्रोडक्ट से अपग्रेड करने की सुविधा भी दे रहे हैं। यह प्रोग्राम हमारे बहुमूल्य ग्राहकों को लाभ पहुंचाने के साथ-साथ सर्कुलर अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा जिससे हमारे पर्यावरण पर भी कम प्रभाव पड़ेगा।

फोनपे ने मर्चेंट लेंडिंग के लिए प्लेटफार्म लॉन्च किया

मार्केटप्लेस मॉडल सभी बैंकों और NBFCs को अपने विशाल SME नेटवर्क को उधार देने में सक्षम करेगा

बैंगलोर। आईपीटी नेटवर्क

फोनपे ने अपने मर्चेंट लेंडिंग प्लेटफॉर्म के लॉन्च की घोषणा की, जिससे बैंकों और NBFC (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) को फोनपे के 35 मिलियन से अधिक व्यापारियों के अपने विशाल मर्चेंट बेस को पूरी तरह से डिजिटल और सहज तरीके से क्रेडिट तक पहुंच प्रदान करने की अनुमति मिली। यह छोटे और मध्यम उद्यमों (SMEs) के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए फोनपे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

भारत में SMEs को लंबे समय से संगठित ऋण तक एक्सेस करने, उनके वृद्धि को बाधित और उनकी क्षमता को बाधित करने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस अधूरी जरूरत को समझते हुए, फोनपे ने बिज़नस ऐप के लिए फोनपे पर एक सहज एन्ड-तो-एन्ड तरीके को डिज़ाइन की है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उधार देने वाले भागीदारों द्वारा कुछ ही मिनटों में ऋण स्वीकृत हो जाए। फोनपे ने मई 2023 से अपने विश्वसनीय NBFC भागीदारों के माध्यम से 20,000 से अधिक ऋणों के वितरण को सफलतापूर्वक सुगम बनाया है। कंपनी ने शुरुआती दौर में SMEs के बीच क्रेडिट की जबरदस्त मांग और इस जरूरत को पूरा करने में फोनपे के मार्केटप्लेस मॉडल की प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला है। फोनपे को अलग करने वाले विशिष्ट कारकों में से एक भुगतान व्यवसाय में व्यापारियों के साथ इसका मजबूत जुड़ाव है। लॉन्च पर बोलते हुए, वित्तीय सेवाओं के उपाध्यक्ष, हेमंत गाला ने कहा, कि 'वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना फोनपे का मूल मिशन में है। हम मार्केटप्लेस मॉडल का उपयोग करके अपने प्लेटफॉर्म पर मर्चेंट लेंडिंग लॉन्च करने, SMEs और MSMEs को संगठित क्रेडिट तक पहुंच प्रदान करने और उनके विकास को सक्षम करने के लिए उत्साहित हैं। MSMEs और SMEs के वित्तीय सशक्तिकरण के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करके, इण्दहाझ को अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में योगदान देने और सतत प्रगति को आगे बढ़ाने पर गर्व है।''

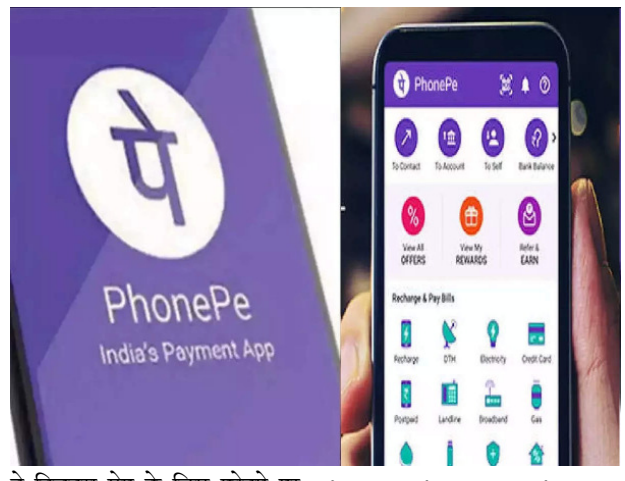

हायर पेंशन पाने के लिए करना है आवेदन? ईपीएफओ ने बढ़ा दी समयसीमा

नई दिल्ली। एजेंसी

हायर पेंशन पाने के इच्छुक लोग जो अभी तक ईपीएफओ में आवेदन नहीं दे पाए हैं, उनके लिए अच्छी खबर है। ईपीएफओ (EPFO) ने उच्च पेंशन के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीखी को आगे बढ़ा दिया है। पहले यह तारीख 26 जून थी। इसे अब बढ़ाकर 11 जुलाई कर दिया गया है। ईपीएफओ ने तीसरी बार यह समय सीमा बढ़ाई है। अब योग्य सदस्य 11 जुलाई तक उच्च पेंशन के लिए ईपीएफओ में आवेदन दे सकते हैं। पहले इस समय सीमा को 3 मई से बढ़ाकर 26 जून किया गया था। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की EPS के तहत सदस्य हायर पेंशन वाली योजना में आवेदन कर सकते हैं। इन सदस्यों के लिए है विकल्प EPFO ने 1 सितंबर, 2014 के बाद पीएफ खाता खुलवाने वाले कर्मचारियों को इंए के जरिये हायर पेंशन चुनने का विकल्प दिया है। इसके तहत 15,000 से ज्यादा कमाने वालों को भी अब EPS में 8.33 फीसदी अंशदान का मौका दिया जाएगा, ताकि रिटायरमेंट के बाद उन्हें ज्यादा पेंशन मिल सके।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।